QUE. NO.	Sub. Q.No.	अ	आ	इ				Total Marks
1	Examiner Marks	07	7½	04				= 18½=19
	Moderator Marks	6½	07	3½				= 17

3

प्रश्न क्र. Q.No. 1

विभाग 1 - गद्य

(अ)

(1)

(i) मरीज का आराम हराम तब हो जाता है जब ये मिलने-जुलने वाले कई बार इतने अधिक आते हैं और कभी-कभी बहुत परेशान करते हैं।

(ii) जब मिलने वालों का खयाल लेखक को आता है तब उन्हें लगा कि उनकी दूसरी टाँग भी टूट गई।

(2)

(i) हमदर्दी जताने वालों की फिक्र करने वाला - लेखक

(ii) लेखक को परेशान करने वाले - मिलने-जुलने वाले लोग

(iii) मरीज को मिलने के संबंध में यहाँ समय का बंधन पाला जाता है - जनरल वार्ड में

(iv) मरीज को इसके कारण नींद नहीं आती - दर्द के कारण

4

QUE. NO.	Sub. Q.No. →							Total Marks
	Examiner Marks →							
	Moderator Marks →							

प्रश्न क्र. Q.No. 1

(3)

(i) समानार्थी शब्द की जोड़ी -

आधिक - बहुत

हमदर्दी - महसान

(ii) उर्दू शब्द

(1) फिक्र

(2) महसान

(3) मरीज

(4)

जीवन में जो व्यक्ति श्रम करता है, संघर्ष करता है उसी व्यक्ति को सफलता प्राप्त होती है और जो व्यक्ति सिर्फ आराम करता रहता है वह कभी जीवन में आगे नहीं बढ पाता। इसलिए कहते है कि मेवे श्रम की डाल पर खिलते हैं। मेहनत करना और परेशानियों का डटकर सामना करना हर व्यक्ति को आना चाहिए। 'आराम हराम है' इसका अर्थ यह है कि आरा अगर हमें अपने लक्ष्य तक पहुँचना है तो एक पल भी आराम करना नहीं चाहिए। मेहनत करके अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहिए।

QUE. NO.	Sub. Q.No.							Total Marks
	Examiner Marks							
	Moderator Marks							

प्रश्न क्र. Q.No. 1

(अ)

(1)

(i) समाज में अपनी आजीविका बहुत से लोग इससे चलाते हैं – शरीर श्रम से।

(ii) समाज में अपनी आजीविका थोड़े लोग इससे चलाते हैं – बौद्धिक श्रम से।

(iii) आराम में रहने वाले लोगों के पास यह अधिक है – संपत्ति

(iv) अनेक लोगों में इसकी आदत नहीं है – श्रम करने की

(2)

(i) गद्यांश में उल्लेखित यज्ञ

- संपत्ति दान यज्ञ
- भूदान यज्ञ

QUE. NO.	Sub. Q.No. →							Total Marks
	Examiner Marks →							
	Moderator Marks →							

प्रश्न क्र. Q.No. 1

(ii)

धनिकों के दान से होने वाले सामाजिक कार्य

- अस्पताल बनना।
- विद्यालय बनना।

1

(3)

(i)

उपसर्गयुक्त शब्द	शब्द	प्रत्यययुक्त शब्द
आश्रम	← श्रम →	~~श्रम~~ श्रामिक

½

(ii)

शब्दयुग्म - साधन - सामग्री
वाक्य - नेहा बाजार में अपने खाना बनाने की साधन-सामग्री लाने गई है।

1

शब्द युग्म - किसी - न - किसी
वाक्य - किसी - न - किसी के श्रम के बिना यह बौद्धिक लोगों की आजीविका नहीं चलेगी।

0

QUE. NO.	Sub. Q.No.							Total Marks
	Examiner Marks							
	Moderator Marks							

प्रश्न क्र. Q.No. 1

(4)

बढ़ती जनसंख्या के कारण गरीबी, बेरोजगारी दिन-ब-दिन बढ़ते जा रही है। इसी वजह से लोग बिना अन्न-पानी के तड़प-तड़पकर अपने जीवन से निजात पा लेते हैं। इसी वजह से धनी लोगों को दान कर गरीब लोगों की मदद करनी चाहिए। यह करने से न सिर्फ गरीबी कम होगी बल्कि उन्हें समाधान भी मिलेगा। इसलिए हम सब को थोड़ा-ही सही लेकिन दान कर हमारे देश के गरीब लोगों की मदद ~~करी~~ करनी चाहिए। इससे हमें समाधान भी मिलेगा और लोगों की सहायता भी होगी। तो चलिए,

दान करने ~~का~~ की कसम खाते हैं,
और थोड़ा समाधान हम भी पा लेते हैं।

QUE. NO.	Sub. Q.No. →							Total Marks
	Examiner Marks →							
	Moderator Marks →							

प्रश्न क्र. Q.No. 1

(ई)

(1)

(i)

ढाका कॉलेज से परीक्षा में

द्वितीय स्थान पाने वाला	तृतीय स्थान पाने वाला
मेघनाथ साहा	निखिल रंजन सेन

(ii)

गद्यांश में उल्लेखित

दल	सदस्य
सबुज पत्र	प्रथम प्रमथा चौधरी के घर इकट्ठे होते।

QUE. NO.	Sub. Q.No. →							Total Marks
	Examiner Marks →							
	Moderator Marks →							

प्रश्न क्र. Q.No. 1

(2) "यह सही कहा है कि ज्ञान देने से ज्ञान बढ़ता है।" मेरे अनुसार जब हम लोगों में ज्ञान बांटते हैं या उनसे उन्हें कुछ सिखाते हैं तो उस दौरान हम भी कुछ नया सीखते हैं। जब हम लोगों को सिखाते हैं तब उनके प्रश्नों से हमें भी बहुत कुछ सीखने मिलता है। बड़े-बड़े लोगों ने भी लोगों को हमेशा सिखाकर उनके प्रश्नों का हल कर अपने ज्ञान को बढ़ाया है। बिना किसी स्वार्थ के हमें लोगों को ~~सीख~~ सिखाने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। इससे न केवल उनका ज्ञान बढ़ेगा लेकिन हमें भी बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। इसलिए ऐसा कहा जाता है कि ज्ञान देने से बढ़ता है।"

ज्ञान देने का करते हैं संकल्प,
ज्ञान बढ़ाने का यह है एक विकल्प।

QUE. NO.	Sub. Q.No.	अ	आ					Total Marks
2	Examiner Marks	4½	5½				=	10
	Moderator Marks	4½	5½				=	10

प्रश्न क्र. Q.No. 2

विभाग 2 - पद्य

(अ)

(1)

वचन में	संचय में	भुजा में	प्रतिज्ञा में
↓	↓	↓	↓
सत्य	दान	शक्ति	टेव

2

(2)

(i) विलोम शब्द

हर्ष × विपन्न

0

(ii)

(i) भारत - एकवचन

(ii) भुजाएँ - बहुवचन

1

QUE. NO.	Sub. Q.No.							Total Marks
	Examiner Marks							
	Moderator Marks							

11

प्रश्न क्र. Q.No. 2

(3) 'वही है रक्त ... प्यारा भारतवर्ष।'
सरल अर्थ : कवि भारत का गुणगान करते हुए कहते है कि हम भारतवासीयो में अभी भी वही रक्त है। हमारा देश अभी भी वैसा ही है। आज भी हम में वैसी ही ताकत है और वैसा ही ज्ञान है। हम शांति के पुजारी है और अभी भी हम में वह शक्ति है क्योंकि हम दिव्य आर्यों की संताने है। हम हमेशा हमारे भारत के लिए जीना चाहते है और हमें भारतवासी होने का अभिमान है। हम अपना सब कुछ हमारे प्यारे देश के लिए समर्पित कर सकते है।

1½

(आ)

(1)
(i) उपर्युक्त पद्यांश में शिशिर ऋतु का वर्णन किया है → असत्य

(ii) श्री राम जी का मन डर रहा है → सत्य

(iii) दुष्ट व्यक्ति का प्रेम स्थिर नहीं होता → सत्य

(iv) सद्गुण एक-एक करके अपने आप सज्जन व्यक्ति के पास आ जाते है → सत्य

12

QUE. NO.	Sub. Q.No.							Total Marks
	Examiner Marks							
	Moderator Marks							

प्रश्न क्र. Q.No. 2

(2)

(i)

(1) दुष्ट - खल

(2) विद्वान - बुध

(ii)

(1) बूँद → स्त्रीलिंग

(2) गिरि → पुल्लिंग

(3) बरषहिं जलद भूमि निअराएँ। जथा नवहिं बुध बिद्या पाएँ॥
बूँद आघात सहहिं गिरि कैसे। खल के बचन संत सह जैसे॥
सरल अर्थ : कवि गोस्वामी तुलसीदास जी कहते है कि बारिश होने पर जैसे धरती नजदीक आती है वैसे ज्ञान प्राप्त होने पर विद्वान व्यक्ति नम्रता से झुक जाता है। वर्षा होने पर ऐसा प्रतीत होता है जैसे वर्षा की बूँदे पर्वत पर चोट कर रही है। पर्वत इन बूँदो को वैसे ही सह लेता है जैसे दुष्टों के वचन संत सहते है।

QUE. NO.	Sub. Q.No.	3 अ	3 आ				Total Marks
3	Examiner Marks	04	04				= 08
	Moderator Marks	3½	3½				= 07

प्रश्न क्र. Q.No. 3

विभाग 3 – पूरक पठन

(अ)

(1)

हरे-भरे पहाड़ गर्व से सीना ताने खड़े	लेखक के मन को सुकून देने वाले प्राकृतिक घटक	दीर्घता सिद्ध करते वृक्ष
झरने		प्राकृतिक सौंदर्य

2

(2) मनुष्य अथवा सभी जीवों के लिए प्रकृति ईश्वर का उपहार है। प्रकृति हमें प्रसन्न कर देती है। हरे-भरे पेड़ हमें समाधान देते है। एक नदी और झरने को देख हमें एक अनोखा आनंद मिलता है। पक्षियों की मधुर आवाज सुनकर हम खुश हो जाते हैं। ऐसे अनेक प्राकृतिक घटक हमें प्रसन्न कर देते है। प्रकृति में थोड़ा समय व्यतीत करने से हमें तरोताजा हो जाते है। निसर्ग में हम जब बैठते है तब हम अपनी सारी चिंता और परेशानियों को भूल जाते है। इसलिए हमारी प्रकृति हमें प्रसन्न करती है ऐसा कहा जाता है।

2½

04

3½

QUE. NO.	Sub. Q.No.						Total Marks
	Examiner Marks						
	Moderator Marks						

प्रश्न क्र. Q.No. 3

(आ)

(1)

'अ'	'आ' (उत्तर)
(i) खिलखिलाता फूल	– प्रेरणा
(ii) भीतरी	– कुंठा
(iii) खारा	– जल
(iv) पावन	– विशुद्ध मन

(2) काँटो के बीच रहकर भी फूल हमेशा खिलखिलाता रहता है। यह फूल हमें सिखाता है कि किसी भी बुरी परिस्थिती से हमे हिंम्मत से सामना करना चाहिए और कभी निराश न होकर हमेशा खुश रहना चाहिए। यह फूल हमें प्रेरणा दे रहा है इसलिए ठीक इस फूल की तरह हमें हर स्थिती में खुश रहना चाहिए और हिंम्मत से संघर्ष करना चाहिए। करते रहना चाहिए।

QUE. NO.	Sub. Q.No.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	Total Marks
4	Examiner Marks	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	2 2	14
	Moderator Marks	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	2 2	14

15

प्रश्न क्र. Q.No. 4

विभाग 4 – भाषा अध्ययन

(1) क्या तुम कॉलेज में पढ़ी हो?
तुम – सर्वनाम

1

(2)

(i) धीरे - धीरे –
गाय धीरे - धीरे चल रही थी।

1

(ii) ~~लेकिन~~ –
~~सेहन~~

(3)

शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
महात्मा	महा + आत्मा	स्वर संधि

1

(4)

(i) हम आगे बढ़ गए।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
गए	जाना

1

QUE. NO.	Sub. Q.No.							Total Marks
	Examiner Marks							
	Moderator Marks							

प्रश्न क्र. Q.No. 4

(5)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
चलना	चलाना	चलवाना
मिलना	मिलाना	मिलवाना

(6) रोते हुए बच्चे को गोद में उठाकर माँ स्नेह करने लगी।
रोते हुए बच्चे को गोद में उठाकर माँ हाथ फेरने लगी।

(7)

(i) मकान पर मकान लदे हैं।
पर – अधिकरण कारक

(8) हाँ, मेरे पास बहुत से पत्र आते हैं।

QUE. NO.	Sub. Q.No.							Total Marks
	Examiner Marks							
	Moderator Marks							

17

प्रश्न क्र. Q.No. 4

(9)

(ii) दोनों ही देर तक फूट-फूटकर रो रहे थे।

(iii)

(i) माल् को ससुराल पहुँचाने मैं ही जाऊँगा।

(10)

(i) मोटे तौर पर दो वर्ग किए जा सकते हैं।
सरल वाक्य

(ii)

(1) परिचय के बिना किसी को दाखिल नहीं करना चाहिए।

(2) क्या थोड़ी e
कितनी बातें हुई? 2

18

QUE. NO.	Sub. Q.No. →							Total Marks
	Examiner Marks →							
	Moderator Marks →							

प्रश्न क्र. Q.No. 4

(11)

(ii) करामत अली की आँखों में आँसू उतर आए।

(iii) ठीक उसी समय कृपा की आँखे खुली।

(i) घर में तख्त के रखे जाने की आवाज आती है।

14

QUE. NO.	Sub. Q.No.	अ	आ	इ				Total Marks
5	Examiner Marks	8½	09	05				=22½=23
	Moderator Marks	8½	09	05				=22½=23

19

प्रश्न क्र. Q.No.	5

विभाग 5 – रचना विभाग

(अ)

(1) पत्रलेखन

दिनांक : ९ मार्च, २०२४

सेवा में,
मा. व्यवस्थापक,
मीरा स्पोर्ट्स,
आझाद चौक,
सातारा – 400xxx.
meerasports@gmail.com

विषय : क्रिकेट खेल की सामग्री मँगवाने हेतु।

महोदय,
मैं, अनिशा सोनवणे, आपके दुकान की पुरानी ग्राहक हूँ। मैं हमेशा आपके दुकान से खेल की सामग्री मंगाती हूँ।
हमारे पाठशाला में चार दिन बाद क्रिकेट की प्रतियोगिता है। इसलिए मुझे और मेरे कुछ दोस्तों को क्रिकेट खेल की सामग्री की आवश्यकता है। उसकी यादी निम्नलिखित है।

QUE. NO.	Sub. Q.No.							Total Marks
	Examiner Marks							
	Moderator Marks							

प्रश्न क्र. Q.No. 5

क्रिकेट खेल की सामग्री -

क्र.	क्रिकेट की सामग्री	संख्या
१	गेंद	१०
२	बल्ला	५
३	हेल्मेट	६
४	स्टम्प	४

मुझे पूरा विश्वास है कि आप उचित छूट के साथ जल्द-से-जल्द यह सामग्री भेजने की कृपा करेंगे। मैं ६०० रुपए पोस्टल ऑर्डर द्वारा भेज रही हूँ। शेष राशि का भुगतान सामग्री मिलने पर किया कर दिया जाएगा।

भवदीया,
अनिशा

नाम : अनिशा सोनवणे
पता : गांधी मार्ग, सांगली
ई मेल आईडी : anisha@gmail.com

1½

5½

QUE. NO.	Sub. Q.No. →							Total Marks
	MARKS →							

प्रश्न क्र. Q.No. 5

(अ) (2) गद्य आकलन

½ 1] ईश्वर द्वारा मनुष्य को दिया गया सबसे बड़ा देन क्या है?

1 2] मनुष्य के जीवन का समाधान किस पर निर्भर है?

1 3] मनुष्य के सारे चिंतनशास्त्र किस पर आधारित है?

1 4] विचार का शरीर कौन है?

1 5] गंभीर चिंतन करने वाले किसकी खोज करते हैं?

1 6] निश्चित वाणी की खोज कौन करता है?

1 7] पतंजलि के बारे में क्या कहते हैं?

1 8] चित्तशुद्धि के लिए योगसूत्र किसने लिखा?

0½

QUE. NO.	Sub. Q.No. →								Total Marks
	MARKS →								

3

प्रश्न क्र. Q.No. 5

(आ)

(1) कहानी लेखन :

½

एकता की शक्ति

रामपुर नामक एक सुंदर गाँव था। इस गाँव में कई वर्षों से वर्षा बहुत कम हो रही थी। इसलिए यहाँ पानी का अभाव था। गाव मे कई होशियार लडकियाँ रहती थी।

1½ पानी के अभाव से वह बहुत परेशान थी। ~~इन~~ यह लड़कियाँ घर के कामों में अपने माता का हाथ बटाटी थी। पानी के अभाव के कारण उन्हें घर कामों के लिए पानी दो गाँव छोड़कर नरेशपुर गाँव तक पानी लेने के लिए जाना पड़ता था। इस वजह से जाने का एक घंटा और आने का एक घंटा व्यर्थ जाता था। उसके बाद घर काम कर उन्हें पढ़ाई के लिए बहुत कम समय मिलता था। इस वजह से गाँव की सारी लड़कियाँ एक साथ आई और इस पानी की समस्या पर चर्चा करने लगी। चर्चा करते समय एक लड़की ने कहा – "क्यों न हम गाँव वालो की सहायता ले और इस सूखे पड़े हुए गाव के कुएँ मे ~~सेच~~ का थोड़ा पानी डाले?" निर्माण करें? यह सुनकर सब लड़कियों के

1½ मन में उमंग भर गया। इन लड़कियो ने गाँव वालो को अपनी दुविधा के बारे में बताया। गाँव वालों को उनके प्रयोग के बारे में उन्हें बताया। तब सब गाँव

QUE. NO.	Sub. Q.No. →							Total Marks
	MARKS →							

प्रश्न क्र. Q.No. 5

वालों ने सहमती देकर इन लड़कियों की मदद की। रोज गाँव वालों ने गड्डा खोदकर खोदा। कुछ दिनों बाद उन्होंने कुएँ का आखिर कार निर्माण कर लिया। इस वजह से उनकी पानी की समस्या दूर हो गई और उन्हें इस प्रयोग में सफलता प्राप्त हुई।

सीख : एकता में शक्ति होती है।

1

4½

2

QUE. NO.	Sub. Q.No. →						Total Marks
	MARKS →						

प्रश्न क्र. Q.No. 5

(आ)

(2) विज्ञापन लेखन

आपके शहर में पहली बार...

शक्ति क्रीडा शिविर

स्थान : आझाद चौक, सातारा।
तिथि : सोमवार, २१ मार्च २०२४
समय : सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक

इस शिविर का उद्घाटन करने
आ रहे हैं आय.पी.एल के खिलाडी
'संजय जोशी'।

तज्ञ मार्गदर्शक 'श्री. नरेंद्र सिंह जी'
भी इस शिविर मे मार्गदर्शक करेंगे।

हमारी विशेषताएँ :
- खेल की सारी सामग्री मुफ्त।
- व्यक्तिगत मार्गदर्शन

प्रवेश शुल्क
सिर्फ २०० रुपए।

तो जल्दी संपर्क करे...

संपर्क : 90000 90000
पता : आनंद मार्ग, सातारा।

4½

QUE. NO.	Sub. Q.No.							Total Marks
	MARKS							

3

प्रश्न क्र. Q.No. 5

(इ) निबंध लेखन

(1) किसान की आत्मकथा

मैं इस देश का बूढ़ा किसान,
खेतों में करता नित काम।
अन्न लोगों के काम आता,
इसलिए भूमिपुत्र है मेरा नाम।

आपने मुझे पहचान ही लिया होगा। मैं भारत का किसान हूँ। आज मैं आपसे कुछ कहना चाहता हूँ। भारत को कृषि प्रधान देश कहते हैं। कृषि करके, दिन-रात खेतों में मेहनत कर मैं जो अन्न रूपी जीवन आपको प्रदान देता हूँ।

अभी विज्ञान और नई-नई टेक्नोलॉजी के कारण हमें बैल से खेत जिराना नहीं पड़ता। मोटार के आविष्कार के वजह से अब हमारा काम और आसान हो गया है। अब जो काम करने के लिए एक जमाने में कई दिन लगते थे अब वही काम घंटों में हो रहा है। यह सब करके लोगों ने हमारी बहुत मदद की है।

परंतु दिन-रात काम करके भी हमें हमारी खेती का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। हमें संकटों से रोज दो-चार होना पड़ता है। खास कर गरीबी का पहाड़ आकर हम पर टूट पड़ा है। फिर भी हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं। रोज मेहनत करने में ही पूरा दिन निकल जाता है। उचित हमें हमारे खेती का उचित

4

QUE. NO.	Sub. Q.No.							Total Marks
	MARKS							

प्रश्न क्र. Q.No. 5

मूल्य न मिलने की वजह से हमें गरीबी का हर रोज सामना करना पड़ता है। हमारे पास खाने के लिए भी कुछ नहीं होता। इसलिए मेरे कई भाईयों ने आत्महत्या कर ली है। रोज-रोज के टंटो से निजात पाने के लिए ऐसा ठोस कदम उन्होंने उठाया है। यह बात कटु है लेकिन सच है।

12

इस वजह से मेरी आप सबसे यह नम्र विनंती है कि कृषिसंस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कृपया कर कोई ठोस कदम उठाएं। इन आत्महत्याओं को के सिलसिलों को समाप्त करने के लिए हमारी मदद करें। सिर्फ बोलने से कुछ नहीं होगा। इन किसानों को बचाने के लिए जल्द-से-जल्द कोई ठोस कदम उठाना पड़ेगा नहीं तो वह दिन दूर नहीं जब हम सब लोग हमारी जान गंवाकर बैठे और कृषि करने के लिए कोई किसान ही बाकी न हो। अब मैं आपसे विदा लेता हूं और आशा करता हूं कि आप जरूर हमारी मदद करेंगे।

1

05